आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 215 | उज्जैन, बुधवार 25 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत को वैश्विक मंच पर दी नई पहचान -मुख्यमंत्री

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह की अध्यक्षता में 4 राज्यों के मुख्यमंत्री ने की सहभागिता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने न केवल आंतरिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत की आवाज़ को निर्णायक और सम्मानजनक मान्यता मिली है। ÷ऑपरेशन सिंदूर÷ इस बात का प्रतीक है कि भारत अब अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और प्रतिष्ठा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह विश्वास दिलाया है कि हर भारतीय, चाहे वो कहीं भी हो, भारत सरकार उसकी ढाल बनकर खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को वाराणसी में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई मध्य

क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में सहभागिता कर संबोधित कर रहे थे। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सहित उक्त राज्यों के मुख्य सचिव, केंद्र सरकार एवं संबंधित राज्य के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भारत विकसित भारत 2047 के जिस मार्ग पर चल रहा है, उसमें राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नीति आयोग, मुख्यमंत्री परिषद् और क्षेत्रीय परिषद जैसे संस्थागत तंत्र ने इन्हें केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि समाधान का माध्यम बनाया है। हमें सिखाया गया है कि विचारधाराएँ अलग हो सकती हैं, लेकिन देश का भविष्य साझा है; दृष्टिकोण भिन्न हो सकते हैं, लेकिन लक्ष्य एक सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह क्षेत्रीय परिषद केवल प्रशासनिक विचार-विमर्श का मंच नहीं, बल्कि सहकारी संघवाद की जीवंत अभिव्यक्ति है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में है लेकिन उसकी गति, उसका विकास टीम इंडिया की भावना में निहित है।

भारतीय रेलवे ने कांग्रेस के आरोपों का दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे द्वारा 9000 हार्सपावर (एचपी) वाले अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक इंजनों के निर्माण को लेकर कांग्रेस के लगाए गए आरोपों को रेलवे ने खारिज किया है। रेलवे की ओर से कहा गया है कि कांग्रेस के आरोप तथ्यहीन और भ्रामक हैं।

रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया है कि हमारा पूरा जोर गुणवत्ता, आत्मनिर्भरता और पारदर्शिता पर है। इससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और देश की औद्योगिक क्षमता भी बढ़ेगी। कांग्रेस की ओर से पूर्व सांसद बिजेंद्र सिंह ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गलत तरीके से विदेशी कंपनियों को ठेका देने का आरोप लगाया था।

किन कंपनियों ने लिया भाग- इसके जवाब में रेल मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि निविदा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियमों के अनुरूप है। मंत्रालय की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि 9000 एचपी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के निर्माण की निविदा अत्यंत पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई है, जिसमें वैश्विक स्तर पर सिर्फ दो कंपनियां, अलस्टाम और सीमेंस ने भाग लिया है। इन दोनों के पास इस श्रेणी के इंजन बनाने की क्षमता है।

रेलवे ने कहा है कि निविदा से पहले अधिकारियों की एक विशेषज्ञ टीम ने तकनीकी और वित्तीय प्रक्रिया जांच की। दोनों कंपनियां तकनीकी तौर पर समर्थ पाई गईं। इसके बाद रेलवे के नियमों के अनुरूप सबसे कम दर देने वाली कंपनी को ही ठेका दिया गया।

एअर इंडिया की फ्लाइट में सात लोगों की बिगड़ी तबीयत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन से मुंबई आ रही एअर इंडिया की एक फ्लाइट में कुछ यात्रियों और क्रू मेंबर्स की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। मुंबई एअरपोर्ट पर लैडिंग के बाद सभी को मेडिकल रूम में ले जाया गया, जिसके बाद उनकी हालत में सुधार आया।

एअर इंडिया की फ्लाइट 130 लंदन के हीथ्रो एअरपोर्ट से मुंबई आ रही थी। उड़ान के दौरान ही पांच यात्रियों और 2 क्रू मेंबर्स की हालत खराब हो गई। सभी को आचनाक चक्कर आने लगे और मितली जैसा महसूस होने लगा।

मेडिकल टीम ने किया इलाज- मुंबई एअरपोर्ट पर फ्लाइट को सुरक्षित लैंड करवाया गया, जहां मेडिकल टीम पहले से तैयार थी। लैडिंग के बाद भी दो यात्रियों और दोनों क्रू मेंबर्स की सेहत में सुधार नहीं आया। ऐसे में उन्हें मेडिकल रूम में ले जाया गया, जहां सभी का इलाज हुआ। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने भी घटना की पूरी जानकारी दी।

उत्तर भारत के कई राज्यों में मानसून की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के कई राज्यों में मानसून की एंट्री का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। बीते कुछ दिनों से राष्ट्रीय राजधानी में उमस से लोग परेशान रहे। वहीं बिहार में कई जिलों में मानसून ने दस्तक दे दी है। उत्तर भारत के कई राज्यों में मानसून का इंतजार हो रहा है।

इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने 24 और 25 जून को हल्की से मध्यम बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। कहा गया कि मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में मानसून के आने की संभावना है। जबकि सोमवार को दिल्ली में बादल छाए रहे और हल्की बूंदाबांदी हुई। आईएमडी ने कहा, शहर में बारिश के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मंगलवार और बुधवार दोनों दिन हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है।

स्काईमेट के अनुसार, अगले दो दिनों के भीतर उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों, राजस्थान के कुछ हिस्सों, पंजाब, हरियाणा के कुछ भागों, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश के बचे हिस्सों, हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू में मानसून आने का अनुमान है।

कैसा था पिछले 24 घंटे का मौसम- पिछले 24 घंटे के दौरान, पूर्वोत्तर बिहार, झारखंड के कुछ हिस्सों, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, कोंकण और गोवा, तटीय कर्नाटक, केरल, पूर्वी उत्तर प्रदेश के हिस्सों, पंजाब, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा राजस्थान के कुछ स्थानों में मध्यम से भारी बारिश हुई। मराठवाड़ा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और आंतरिक तमिलनाडु में हल्की बारिश देखी गई।

पाकिस्तानी महिला को मिल रहा भारत की योजनाओं का लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सदर तहसील में तैनात राजस्व कर्मियों की मनमानी पर लगता है कि अफसरों की नजर नहीं पड़ रही है। तभी तो इस तहसील में तैनात लेखपाल, कानूनगो और नायब तहसीलदार ने करेली मुहल्ला की एक ऐसी महिला का ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) सर्टिफिकेट बना दिया, जो निकाह के बाद पाकिस्तान स्थित अपनी ससुराल में रह रही है।

वह महिला भारत में उप प्रधानाचार्य रही अपनी मां की आश्रित पेंशन का भी ले रही है। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत के निर्देश पर डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने पिछले दिनों मजिस्ट्रेट की जांच बैठाई तो अब बड़े फर्जीवाड़े की परतें खुलने लगी हैं। सदर तहसील में तैनात लेखपाल, कानूनगो व नायब तहसीलदार ने बड़ा कारनामा करते हुए ऐसे लोगों को ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बना दिया, जिनके पिता एक बड़े सरकारी संस्थान में लेखाधिकारी व मां उप प्रधानाचार्य थीं। यही नहीं 200 से एक हजार वर्ग गज तक के प्लाट, 150 से 500 वर्ग गज भूमि पर बने दो, चार मंजिला मकान तक के मालिकों का भी यह प्रमाण पत्र बना दिया गया। अभी जांच में कई और बड़े खुलासे होने की संभावना है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लेखपाल से लेकर कानूनगो और नायब तहसीलदार तथा तहसीलदार को भी यह जानकारी हो गई है कि महिला अब पाकिस्तान में रहने लगी है।

फिर भी उनका ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट अब तक नहीं निरस्त किया जा सका है। बताते हैं कि महिला अपने पति के साथ पिछले दिनों प्रयागराज में थीं।

प्रधानमंत्री किसान योजना के नाम पर ठगी, 98,656 रुपये उड़ाए

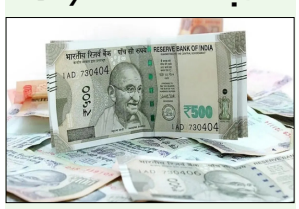

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रेम कुमार पाठक के खाता से साइबर बदमाशों से 98,656 रुपये की ठगी की है। उनके खाते से यह निकासी करीब डेढ घंटे में 22 बार में की गई है। घटना 20 जून की है।

प्रभारी प्रधानाध्यापक ने उसी दिन राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल समेत साइबर थाना बेतिया में शिकायत किया। प्रधानाध्यापक ने बताया है कि विद्यालय में थे तभी मेरे मोबाइल पर प्रधानमंत्री किसान योजना का एक लिंक आया। जिसे खोला तो तुरंत व इंस्टॉल हो गया।

गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ दौरे पर माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों और युवाओं से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ दौरे के दूसरे दिन सोमवार को नवा रायपुर में गृहमंत्री अमित शाह ने माओवादी हिंसा प्रभावित क्षेत्रों नारायणपुर व बीजापुर से पहुंचे 50 से अधिक बच्चों व युवाओं से मुलाकात की, सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद किया और अधिकारियों के साथ बैठक भी की।

बच्चों और युवाओं से मुलाकात के संबंध में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जिन मासूम बच्चों के हाथों में माओवादियों ने कभी बंदूकें थमाई थीं, आज उन्हीं हाथों में किताबें देकर उनका भविष्य संवारा जा रहा है। जब बच्चा बंदूक की जगह पेंसिल पकड़कर क, ख, ग लिखता है, तो न सिर्फ एक क्षेत्र का, बल्कि पूरे देश का भविष्य संवरता है।

छत्तीसगढ़ सरकार की योजना

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की लियोर ओयना (जंगल से निकलकर रोशनी की ओर) योजना के अंतर्गत माओवादी हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों को रायपुर लाकर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। जवानों को संबोधित करते गृहमंत्री ने कहा कि यहां उपस्थित केंद्रीय सुरक्षा बलों, कोबरा टीम, छत्तीसगढ़ पुलिस बल और डीआरजी के साहस, शौर्य, बलिदान और समर्पण को नमन करता हूं।

उन्होंने कहा, मुझे मालूम है कि सेना के जवान जो तय करते हैं, वह हासिल करते हैं। सुरक्षा बलों के इसी भरोसे से मैं 31 मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा के खात्मे की फिर घोषणा करता हूं। शाह बस्तर के नारायणपुर जाने वाले थे, मगर अपरिहार्य कारणों से उनका दौरा रद हो गया।

माओवादियों से मुक्ति आजादी के बाद के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में एक होगा- गृह मंत्री ने कहा कि माओवाद गरीब आदिवासी क्षेत्र के लिए बड़ी विभीषिका रहा है। इससे पिछले 35 साल में लगभग 40 हजार लोगों की मौत हुई है, या फिर वे अपाहिज होकर जीवन व्यतीत कर रहे हैं। माओवादी हिंसा ने गरीब आदिवासी तक खाना, बिजली, शिक्षा, घर, शौचालय और पीने का शुद्ध पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को नहीं पहुंचने दिया। उद्योग को तो भूल ही जाइए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जब 31 मार्च, 2026 को देश माओवादियों से मुक्त होगा, वह क्षण आजादी के बाद के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक होगा।

बलिदानी एएसपी आकाश राव के घर पहुंचे शाह- गृहमंत्री अमित शाह बलिदानी एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे के रायपुर स्थित घर पहुंचे और उनके स्वजनों से मुलाकात की।

अमेरिकी हमले के बाद भी ईरान ने बचा लिया यूरेनियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान का परमाणु कार्यक्रम अमेरिकी बंकर बमों और मिसाइलों से पूरी तरह से नष्ट होने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप घोषणा की घोषणा के बाद भी कार्यक्रम की वास्तविक स्थिति कहीं अधिक अस्पष्ट प्रतीत होती है। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि उन्हें नहीं पता कि ईरान के बम-ग्रेड यूरेनियम के भंडार का क्या हुआ। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को एबीसी के दिस वीक कार्यक्रम में नौ या दस परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त उस यूरेनियम का जिक्र करते हुए कहा, हम आगामी हफ्तों में यह सुनिश्चित करेंगे कि हम उस ईंधन के साथ कुछ करें और हम इसके बारे में ईरानियों से बात करेंगे।

ईरान के पास नहीं है अब उपकरण- अमेरिका- उन्होंने तर्क दिया कि उस ईंधन से हथियार बनाने की ईरान की क्षमता काफी प्रभावित हुई है क्योंकि उसके पास अब उस ईंधन को हथियारों में बदलने के लिए उपकरण नहीं हैं। ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि उसकी अमेरिका से बातचीत में कोई रुचि नहीं है।

इसके अलावा यूरेनियम का वह भंडार अब ईरान के लिए परमाणु सौदेबाजी का भी एक जरिया है। रविवार को पत्रकार वार्ता में रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ के नए प्रमुख डैन केन ने भी ट्रंप के सफलता के अतिवादी दावों को दरकिनार कर दिया।

इजरायल ने क्या कहा- उन्होंने कहा कि वायुसेना के बी-2 बमवर्षकों और नौसेना की टामहाक मिसाइलों द्वारा हमला किए गए तीनों स्थलों के प्रारंभिक मूल्यांकन से पता चला कि गंभीर क्षति और विनाश हुआ है। फोर्डो यूरेनियम संवर्धन संयंत्र की सेटेलाइट तस्वीरों में कई छेद दिखाई दिए।

दो इजरायली अधिकारियों के अनुसार, इस बात के भी सुबूत हैं कि ईरान ने हाल के दिनों में साइट से उपकरण और 60 प्रतिशत शुद्धता वाला 400 किलोग्राम यूरेनियम हटा लिया था। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रासी ने कहा कि ईंधन को आखिरी बार संयुक्त राष्ट्र निरीक्षकों की उनकी टीमों ने इजरायल द्वारा ईरान पर हमले शुरू करने से लगभग एक सप्ताह पहले देखा था। रविवार को एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, ईरान ने इस बात को रहस्य नहीं रखा है कि उन्होंने इस सामग्री को संरक्षित कर लिया है।

इजरायली एअर स्ट्राइक में ईरान के परमाणु वैज्ञानिक की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच 12 दिनों के तनाव के बाद सीजफायर पर बात चल रही है। हालांकि इसी बीच ईरान से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। ईरानी मीडिया के अनुसार, इजरायली एअर स्ट्राइक में परमाणु वैज्ञानिक मोहम्मद रजा सेद्दिगी सबेर की भी मौत हो गई है।

ईरान के एक स्टेट टेलीविजन ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में दावा किया है कि इजरायली हमले में ईरान के परमाणु वैज्ञानिक की मौत हो गई। मोहम्मद रजा उत्तरी ईरान के अस्तानेह-ये अशरफियेह स्थित अपने माता-पिता के घर गए थे। इसी दौरान इजरायल ने आसमान से मिसाइलें बरसाईं और मोहम्मद रजा की जान चली गई।

तेहरान में हुई थी बेटे की मौत- बता दें कि मोहम्मद रजा पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया था। कुछ दिन पहले तेहरान पर हुए इजरायली हमले में मोहम्मद रजा के 17 साल के बेटे की मौत हो गई थी। वहीं, अब मोहम्मद रजा भी इजरायली हमले का शिकार हो गए हैं।

13 जून से जारी है तनाव- बता दें कि 13 जून की रात से ही इजरायल और ईरान एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं। रविवार को अमेरिका ने भी ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी। इस हमले के बाद मिडिल-ईस्ट के हालात खराब होने लगे थे।

ईरान ने अमेरिकी सैन्य अड्डे पर किया हमला- बीती शाम ईरान ने कतर में स्थित अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य अड्डे पर हमला करके सभी को हैरान कर दिया। ईरान ने इस मिशन को ऑपरेशन हेराल्ड ऑफ विक्ट्री का नाम दिया है। इस ऑपरेशन के तहत कतर के अल-उदेद एअरबेस पर ईरान ने 6 मिसाइलें दागीं। ईरान के इस्लामिक रिवोल्युशन गार्ड्स कॉर्प्स ने पहले या अबा अब्दिल्लाह अल-हुसैन का नारा लगाया और फिर अल-उदेद पर मिसाइलें दाग दीं। इस ऑपरेशन की कमान ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और खतम अल-अन्बिया केंद्रीय मुख्यालय ने संभाली थी।

इजरायल ने ईरान पर सीजफायर के उल्लंघन के आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच सीजफायर लागू हो गया है। अमेरिका की मदद से यह सीजफायर मुमकिन हो सका, लेकिन इसमें कतर ने भी मध्यथ की भूमिका निभाई है।

इस बीच इजरायल ने दावा किया है कि ईरान ने ताजा सीजफायर लागू होने के बावजूद हमले किए हैं। हालांकि ईरान की न्यूज एजेंसी ISNA ने ऐसे आरोपों को खारिज किया है। ईरान ने कहा है कि सीजफायर के बाद उसने कोई हमला नहीं किया है।

IAEA ने ईरान को बैठक के लिए बुलाया- इस बीच संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा कि उन्होंने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची को एक बैठक का प्रस्ताव देने के लिए पत्र लिखा है और ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद सहयोग का आग्रह किया है।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक ग्रॉसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान की ओर से एजेंसी के साथ सहयोग फिर से शुरू करने से तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर लंबे समय से चल रहे विवाद का कूटनीतिक समाधान हो सकता है।

जापान की सेना ने जापानी क्षेत्र में पहली बार मिसाइल परीक्षण किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान की सेना ने मंगलवार को बताया कि उसने जापानी क्षेत्र में पहली बार मिसाइल परीक्षण किया है। टाइप-88 सतह से जहाज तक मार करने वाली कम दूरी की मिसाइल का परीक्षण मंगलवार को जापान के सबसे उत्तरी मुख्य द्वीप होक्काइडो के शिज़ुनाई एंटी-एयर फायरिंग रेंज में किया गया।

समंदर में 40 किलोमीटर दूर किया टेस्ट- अधिकारियों ने बताया कि ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स की पहली आर्टिलरी ब्रिगेड के अभ्यास में करीब 300 सैनिक शामिल हुए, जिन्होंने होक्काइडो के दक्षिणी तट से करीब 40 किलोमीटर दूर एक मानवरहित नाव को निशाना बना कर टेस्ट किया गया। उन्होंने बताया कि अधिकारी अभी भी परीक्षण के नतीजों की जांच कर रहे हैं। यह परीक्षण ऐसे समय में किया गया, जब जापान चीन को रोकने के लिए स्ट्राइक-बैक क्षमता हासिल करने के लिए अपने सैन्य निर्माण में तेजी ला रहा है।

क्रूज मिसाइलों को तैनात करने की योजना- जापान इस साल के अंत में टॉमहॉक मिसाइल सहित लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों को तैनात करने की योजना बना रहा है। जापान ने पहले भी विदेशों में मिसाइल परीक्षण किए हैं, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे उसके रक्षा साझेदारों के क्षेत्र भी शामिल हैं।

शुभांशु शुक्ला के स्पेस जाने की नई तारीख आई सामने, 25 जून को लॉन्च होगा मिशन Axiom-4

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक स्पेस यात्रा अब 25 जून को लॉन्च की जाएगी। नासा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। 'एक्सियम मिशन-4' नामक इस मिशन के ज़रिए भारत के साथ हंगरी और पोलैंड की भी अंतरिक्ष में वापसी हो रही है। यह मिशन अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा, स्पेसएक्स और प्राइवेट कंपनी Axiom Space के सहयोग से किया जा रहा है। यह चौथा प्राइवेट अंतरिक्ष मिशन है जो इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होगा। शुभांशु शुक्ला इस मिशन में पायलट की भूमिका में हैं।

पहले भी टल चुका है मिशन- Axiom-4 मिशन की लॉन्चिंग पहले 29 मई को होनी थी, लेकिन तकनीकी कारणों से इसे कई बार टालना पड़ा। कभी फाल्कन-9 रॉकेट में लिक्विड ऑक्सीजन लीकेज, तो कभी ड्रग्स के रूसी मॉड्यूल में खराबी के कारण तारीख बदली गई।

पहले लॉन्च 8 जून, फिर 10 और 11 जून को प्रस्तावित थी, परंतु सुरक्षा जांचों के चलते इन्हें भी टालना पड़ा। इसके बाद 19 और फिर 22 जून को लॉन्च की योजना बनी, जिसे ड्रग्स में मरम्मत कार्य की समीक्षा के चलते रोक दिया गया।

लॉन्चिंग और स्पेस यात्रा का प्लान - अब मिशन के लॉन्च की नई तारीख 25 जून तय की गई है। भारतीय समयानुसार यह लॉन्च बुधवार सुबह 12:01 बजे (25 जून) फ्लोरिडा स्थित नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से होगा।

ईरानी पलटवार के बाद अमेरिकी सैन्य बेसों पर बेचैनी, कुछ लोगों ने ट्रंप का किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरानी परमाणु संयंत्रों पर अमेरिकी हमले के बाद तेहरान ने भी पलटवार कर दिया है। इससे अमेरिकी सैन्य बेसों पर बेचैनी बढ़ गई है। जार्जिया के फोर्ट बेनिंग में इस सप्ताहांत एकत्रित कुछ परिवारों के लिए यह बेचैनी भरा दिन रहा।

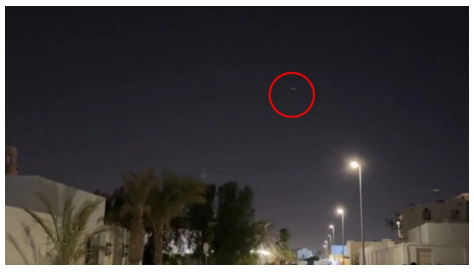

शुक्रवार को सेना का प्रशिक्षण पूरा करने वाले कुछ सैन्य सदस्यों और उनके प्रियजनों ने भविष्य को लेकर चिंता जाहिर की। न्यूयार्क की 24 वर्षीय मिशेल बिक्सबी ने कहा कि लोगों की जान जा सकती है, इसलिए मैं चिंतित हूं। उनके भाई ने हाल ही में प्रशिक्षण पूरा किया है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि यह वही है जो वह करना चाहता था। दरअसल, ट्रंप प्रशासन की ओर से ईरान में तीन परमाणु स्थलों पर हवाई हमला करने की घोषणा के एक दिन बाद अमेरिकी धरती पर सैन्य ठिकानों के आसपास के लोगों में दृढ़ समर्थन से लेकर असहमति तक देखने को मिली।

लोगों में देखी गई चिंता

हालांकि, सभी लोगों में एक भावना जो दिखी वह यह कि हर जगह अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा के लिए चिंता देखी गई।रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने रविवार को जोर देकर कहा कि प्रशासन एक खुली युद्ध की इच्छा नहीं रखता, लेकिन ईरानी नेताओं ने प्रतिशोध की कसम खाई है। यह वास्तविकता और सैन्य बल पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव की बात सैन्य अड्डों के आसपास के कई लोगों के दिमाग में थी।

बिना रुके 37 घंटों की उड़ान.. फिर व्हाइटमैन बेस पर वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने रविवार को ईरान के तीन न्यूक्लियर साइट्स पर हवाई हमला किया। हमले के बाद अमेरिका ने दावा किया कि उसने ईरान के तीन परमाणु साइट्स को नुकसान पहुंचाया है।

ईरान ने इसको ऑपरेशन मिडनाइट हैमर नाम दिया था। इस ऑपरेशन को बी-2 स्टेल्थ बमवर्षकों की मदद से अंजाम दिया गया। अब अमेरिका ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर में शामिल बी-2 स्टेल्थ बमवर्षकों का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि मिसौरी के पास व्हाइटमैन एयर फोर्स बेस से उड़ान भरते हुए ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमला करने के लिए थे।

बिना रुके ईरानी परमाणु बेसों पर गिराए बम- बताया जा रहा है कि मुख्य स्ट्राइक पैकेज के सात स्टील्थ बमवर्षक विमानों ने बिना रुके उड़ान भरी और बम गिराए, और घर लौट आए। इस ऑपरेशन को पूरा करने में कुल 37 घंटों का समय लगा। जिसमें उड़ान भरने से लेकर वापसी तक का समय जुड़ा है।

रात में बमवर्षकों ने भरी उड़ान- सामने आए वीडियो में दिखाया गया है कि बी-2 बमवर्षक विमान व्हाइटमैन के विमान हैंगर से बाहर निकलता है और 12:01 बजे उड़ान भरने की तैयारी करता है। इसके बाद वीडियो में %स्पिरिट्स% को एयरबेस पर उतरते हुए दिखाया गया है।

अमेरिका का ये मिशन 21 जून को 0001 बजे शुरू हुआ और अगले दिन बी-2 विमान व्हाइटमैन बेस पर वापस उतरा। मिशन करीब 37 घंटों तक चला। ये मिशन 2001 के बाद से बी-2 का दूसरा सबसे लंबा मिशन था।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी को लेकर गंभीर आरोपों के बाद आयोग ने उठाया कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जिस तरह से चुनाव आयोग पर मतदाता सूची सहित अन्य दूसरी चुनावी गड़बड़ियों के गंभीर आरोप लगा रहे है, उसके बाद तो आयोग ने राहुल गांधी के साथ सभी चुनावी मुद्दों पर वन-टू-वन बातचीत करने और उनकी चुनावी शंकाओं को दूर करने का फैसला लिया है।

इसके लिए चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को मेल व पत्र के लिए सीधे बातचीत का न्योता भेजा है। साथ ही उन्हें अपनी सुविधानुसार जल्द ही कोई तारीख व समय तय करके आयोग को सूचित करने को कहा है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को यह पत्र सात जून को उनकी ओर से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में गड़बड़ियों को लेकर उनकी ओर से लिखे गए लेख के बाद भेजा है। आयोग की ओर से 12 जून को राहुल गांधी को यह पत्र मेल के साथ उनके आवास पर व्यक्ति भी भेजकर रिसीव कराया गया है। 'दैनिक जागरण' ने अपने 10 जून के अंक में ही आयोग की इस तैयारी की जानकारी दी थी। साथ ही बताया था कि आयोग अब कांग्रेस पार्टी के साथ होने वाली बैठक राहुल गांधी को प्रमुखता से बुलाना चाहता है, ताकि उनकी चुनाव से जुड़ी शंकाओं को दूर किया जा सके।

आयोग हाल ही में कांग्रेस को छोड़कर भाजपा, बसपा, आप, सीपीआई (एम) व एनपीपी के साथ बैठक कर चुका है। इन बैठकों में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, बसपा सुप्रीमो मायावती, आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक अरविंद केजरीवाल, एनपीपी अध्यक्ष कॉनराग संगमा व सीपीआई (एम) के शीर्ष नेतृत्व ने हिस्सा लिया था।

मिडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव के बाद कई फ्लाइट्स रद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के सीजफायर के दावों को ईरान ने सिरे से खारिज कर दिया है। कतर में अमेरिकी बेस पर ईरान के हमले के बाद मिडिल ईस्ट में युद्ध के हालात बन गए हैं, जिसका सबसे बड़ा असर एविएशन पर देखने को मिल सकता है। मिडिल-ईस्ट समेत पूर्वी अमेरिका और यूरोप जाने वाली कई फ्लाइट्स रद कर दी गई हैं।

ईरान ने कतर में स्थित अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य अड्डे अल-उदेद एअरबेस पर 6 मिसाइलें दाग दीं। हमले के फौरन बाद कतर, कुवैत, इराक और संयुक्त अरब अमीरात ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए।

बीच उड़ान में ही वापस लौटे विमान- भारत समेत दुनिया के अलग-अलग देशों से मिडिल-ईस्ट होकर गुजरने वाली फ्लाइट्स को फौरन रद कर दिया गया। लखनऊ से दम्मम, मुंबई से कुवैत और अमृतसर से दुबई जाने वाली अरब सागर से ही वापस लौट आईं। वहीं, मंगलवार की सुबह एअर इंडिया ने मिडिल-ईस्ट समेत अमेरिका के पूर्वी छोर और यूरोप की फ्लाइट्स रद कर दी हैं।

एअर इंडिया ने दी जानकारी- एअर इंडिया ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, मिडिल-ईस्ट, अमेरिका के पूर्वी तट और यूरोप की तरफ जाने वाले सभी ऑपरेशन्स को तत्काल प्रभाव से रद किया जा रहा है।

पूर्व बीजेपी सांसद अनंत हेगड़े के खिलाफ दर्ज हुई FIR

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के पूर्व सांसद अनंत कुमार हेगड़े समेत चार लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई गई है। सभी पर आरोप है कि उन्होंने एक शख्स की कार को बीच सड़क पर रोककर मारपीट और गालीगलौज की। साथ ही सभी को जान से मारने की धमकी भी दे डाली।

यह घटना सोमवार शाम की है। सैफ खान नामक शख्स ने अनंत कुमार हेगड़े, उनके ड्राइवर और गनमैन समेत एक अज्ञात शख्स के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है।

कहां का है मामला- शिकायतकर्ता सैफ खान बेंगलुरु के हेलनहल्ली इलाके का रहने वाला है। सैफ का कहना है कि वो अपने परिवार के साथ तुमकुरु-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रहा था, तभी अनंत कुमार हेगड़े ने अपने लोगों के साथ सैफ की कार रोक ली और मारपीट करने लगे।

कार में 4 लोग थे सवार- सैफ खान के अनुसार, सैफ तुमकुरु एक शादी में शिरकत करने गए थे। वो तुमकुरु से बेंगलुरु लौट रहे थे। इस दौरान सैफ के साथ उसका भाई सलमान खान, मां गुलमीर और अंकल इलियास खान भी कार में मौजूद थे।

तेलंगाना में हुई दिल दहलाने वाली घटना

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में एक दिल दहलाने वाली घटना घटी। 16 वर्षीय बेटी ने अपनी प्रेमी के साथ मिलकर अपनी मां का गला घोट कर हत्या कर दिया। इस अपराध में लड़की के प्रेमी का भाई भी शामिल था। मेडचल-मलकाजगिरी जिले में घटी है। बेटी दसवीं कक्षा की छात्रा है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने बताया कि हत्या की योजना नाबालिग ने अपने 19 वर्षीय प्रेमी और उसके छोटे भाई के साथ मिलकर बनाई थी।

पुलिस ने बताया कि तीनों ने अंजलि की उस समय गला घोंटकर हत्या कर दी, जब वह जीदीमेटला पुलिस थाना क्षेत्र के मेडचल स्थित अपने घर में पूजा कर रही थी। बताया जाता है कि किशोरी एक सप्ताह पहले अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी और उसकी मां द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद तीन दिन पहले वह घर लौटी। जीडीमेटला पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक जी. मल्लेश के अनुसार, 16 वर्षीय किशोरी अपनी मां द्वारा उसके साथ संबंध पर आपत्ति जताए जाने से नाराज थी। लड़की ने प्रेमी को अपनी मां की हत्या करने के लिए राजी कर लिया था।

अंजलि की बहन ने बताया कि गला घोंटने से उसकी मौत नहीं हुई थी, लेकिन उसकी बेटी ने अपने प्रेमी और उसके भाई को फोन करके घर पर बुलाया। फिर अंजलि के चेहरे और सिर पर हथौड़े से प्रहार किया किया। अंजलि की बहन ने इस मामले में कोर्ट और सरकार से न्याय की मांग की है।

जीडीमेटला पुलिस इंस्पेक्टर जी मल्लेश ने बताया कि मां और बेटी के बीच संबंध कटु और शत्रुतापूर्ण प्रतीत होते हैं। मल्लेश ने कहा, मृत्यु गला घोंटने के कारण हुई होगी और हमें संदेह है कि सिर की चोट दीवार से टकराने के कारण आई है। हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

चेन्नई की रेने जोशिल्दा ने 12 राज्यों को दी बम ब्लास्ट की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ समय पहले गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद अहमदाबाद के दो स्कूलों और बीजे मेडिकल कॉलेज में बम ब्लॉस्ट की चेतावनी दी गई। यह सभी धमकियां ईमेल से मिल रही थीं। गुजरात पुलिस महीनों से ईमेल भेजने वाले की तलाश में थी और जब पुलिस की तलाश पूरी हुई तो सच्चाई जानकर सभी के पैरों तले से जमीन खिसक गई।

ईमेल भेजने वाली युवती का नाम रेने जोशिल्दा है, जो चेन्नई की जानी-मानी मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती है। अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद भी जोशिल्दा ने बीजे मेडिकल कॉलेज को धमकी भरा मेल भेजा था। हालांकि, उसकी एक चूक ने पुलिस को उसके घर तक पहुंचने का रास्ता दे दिया। 12 राज्यों को भेजी बम की धमकी

जोशिल्दा ने फेक आईडी बनाकर, वीपीएन और डार्क वेब की मदद से यह धमकी भरे ईमेल भेजे थे। चेन्नई में रहने वाली जोशिल्दा ने बम की धमकी सिर्फ गुजरात ही नहीं बल्कि 11 अलग-अलग राज्यों को भी भेजी थीं। इस लिस्ट में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, राजस्थान, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, बिहार, तेलंगाना, पंजाब, मध्य प्रदेश और हरियाणा का नाम शामिल है। ऐसे में 12 राज्यों की पुलिस जोशिल्दा को ढूंढ रही थी।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद भी दी धमकी- 12 जून को जब अहमदाबाद के बीजे मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग पर प्लेन क्रैश हुआ तो जोशिल्दा ने फिर से एक धमकी भरा ईमेल भेजा। मेडिकल कॉलेज को भेजे गए इस ईमेल में जोशिल्दा ने लिखा-

शायद अब तुम्हें मेरी ताकत का अंदाजा लग गया होगा। जैसा कि हमने एक दिन पहले तुम्हें ईमेल भेजा था, आज हमने एअर इंडिया का प्लेन क्रैश कर दिया। हमें पता है पुलिस ने सोचा यह ईमेल झूठा है और तुम लोगों ने उसे नजरअंदाज कर दिया। अब तुम्हे समझ आ गया होगा कि हम मजाक नहीं कर रहे थे।

गुजरात में दी 21 धमकियां- जोशिल्दा ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम को 13, जेनेवा लिब्रल स्कूल को 4, दिव्य ज्योति स्कूल को 3 और बीजे मेडिकल कॉलेज को बम ब्लास्ट की धमकी वाला 1 ईमेल भेजा था। स्कूल की शिकायत पर 3 जून 2025 को सरखेज पुलिस थाने में ईमेल भेजने वाले के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई और साइबर पुलिस उसकी खोज में लग गई।

ट्रेन का टिकट महंगा होने की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों की जेब अब ढीली होने वाली है। भारतीय रेलवे ने एसी और नॉन एसी वाली सभी एक्सप्रेस, मेल, और सेकेंड क्लास टिकटों में इजाफा कर सकता है। रेलवे का यह नया नियम 1 जुलाई 2025 से लागू होने की संभावना है।

भारतीय रेलवे नई फेयर पॉलिसी लाने जा रहा है, जिसके अनुसार, बिना एसी वाले कोच में प्रति किलोमीटर के हिसाब के टिकटों में 1 पैसे और एसी कोच में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की जा सकती है।

500KM से अधिक सफर पर लागू होगा अतिरिक्त शुल्क- जानकारी के अनुसार, नजदीकी या रोजमर्रा की यात्रा करने वाले लोगों पर इसका असर नहीं होगा। 500 किलोमीटर तक की यात्रा करने वाले लोग इस बदलाव से बचे रहेंगे। हालांकि 500 किलोमीटर से ज्यादा सफर करने पर प्रति किलोमीटर के हिसाब से ट्रेन के किराए में इजाफा देखने को मिल सकता है।

कितना बढ़ सकता है किराया- सेकेंड क्लास में सफर करने वाले लोगों को 500 किलोमीटर से अधिक दूरी पर प्रति किलोमीटर आधा पैसा देना होगा। मेल और एक्सप्रेस ट्रेन के नॉन एसी कोच में सफर करने वाले यात्रियों को प्रति किलोमीटर 1 पैसा अधिक चार्ज पड़ेगा। वहीं, एसी कोच में सफर करने वाले यात्रियों को प्रति किलोमीटर के हिसाब से 2 पैसा अधिक देना होगा।

कम दूरी की यात्रा करने वालों को होगा फायदा- बता दें कि यह किराया लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों पर ही लागू होगा। 500 किलोमीटर के भीतर सफर करने वाले यात्रियों को टिकट पुराने दाम पर ही मिलेंगे। साथ ही यह बदलाव सिर्फ एक्सप्रेस और मेल ट्रेनों के एसी- नॉन एसी कोच में लागू किए जाएंगे।

रेल मंत्रालय की मंजूरी का इंतजार- किराया बढ़ाने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड की तरफ से तैयार किया गया है। यह रेल मंत्रालय के पास भेजा जा चुका है। हालांकि, अभी तक इस प्रस्ताव पर रेल मंत्रालय की मुहर नहीं लगी है। मंत्रालय की मंजूरी के बाद ही नया किराया लागू किया जाएगा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

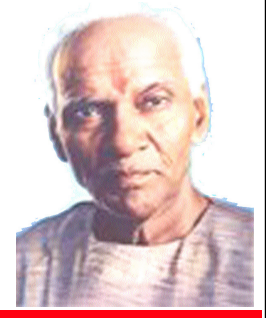

विक्रम संवत 2079 कृष्ण अमावस्या

संपादकीय

दुनियाँ पिछले करीब 3 वर्षों से युद्ध के संकट में फंस्ती जा रही है...

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ पिछले करीब 3 वर्षों से युद्ध के संकट में फंस्ती जा रही है, वैसे युद्ध तो अनेकों देशों के बीच अनेक बार हुए हैं, परंतु इस बार रूस-यूक्रेन इज़राइल-हमास भारत-पाकिस्तान थाईलैंड- कंबोडिया सहित अनेकों देशों में चल रहे है, परंतु इस बार ईरान-इजरायल अमेरिका के बीच जो कुछ पिछले तीन दिनों से भयावह हो रहा है, जिसके कारण खेमेबाजी का दौर भी शुरू हो गया है,जहां एक और अमेरिका अब इजरायल के समर्थन में खुलकर आ गया है, तो रूस ने अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु क्षेत्र पर किए गए तीन विस्फोटक हमलों को अनुचित्त और निराधार बताते हुए आलोचना की है,तो वहीं ईरान के विदेश मंत्री द्वारा रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात से खेमेबाजी बढ़ने का दौर शुरू हो गया है, तो उधर ईरान ने स्टेट आफ होमुर्ज़ को बंद करने का फैसला लिया हैयाने इस समुद्री मार्ग से करीब 26 परसेंट तेल की आवाजाही होती है, जिसके परिणाम स्वरूप कीमतों में विस्फोटक वृद्धि की स्थिति आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, हालांकि अभी जब 100 डालर प्रति बैरल बढ़ने के बाद भी भारत में असर नहीं देखा है व केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया है कि हमारे यहां स्टॉक पर्याप्त है जिससे असर नहीं होगा, परंतु फिर भी इस महायुद्ध के विपरीत असर आम जनता को भुगतना ही पढ़ेगा,चूँकि ईरान इजरायल अमेरिका युद्ध खेमेबाजी का दौर शुरू, तीसरे विश्व युद्ध की ओर दुनिया बढ़ी, स्टेट ऑफ होमुर्ज़ बंद होगा, तेल संकट से दुनियाँ जूझेगी, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से चर्चा करेंगे, तीसरे विश्व युद्ध की ओर कदम बढ़ाती परिस्थितियों से दुनियाँ डरी, परमाणु खतरों की आशंका बढ़ी, युद्ध की भयावहता को रेखांकित कर समाधान के लिए सवांद ज़रूरी है।

साथियों बात अगर हम ईरान- इजरायल अमेरिका युद्ध में कच्चे तेल, की विस्फोटक कीमतें बढ़ने की संभावना की करें तो, ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका के कूदने के बाद इसके तेज होने की आशंका से कच्चे तेल की कीमतों में आग लगी है।कच्चा तेल अब 81 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। इसके बावजूद भारत के लोगों के लिए राहत है। क्योंकि, यहां पेट्रोल-डीजल के रेट में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है, परंतु सोमवार को तेल की कीमतें जनवरी के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई पहले सत्र में 3पेर्सेंट से अधिक की वृद्धि हुई और वे क्रमशः 81.40 और 78.40 डॉलर पर पहुंच गए, जो पांच महीने के उच्चतम स्तर को छू गए। हालांकि, यह तेजी अधिक देर तक नहीं टिक पाई,ईरान के तीन मुख्य परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हमलों ने एक बार फिर इस बात को लेकर चिंता बढ़ा दी है कि तेहरान होमुंज जलडमरूमध्य को बंद करेगा। भारत के कुल तेल आयात का बड़ा हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल के मोर्चे पर भारत की स्थिति अभी अच्छी बनी हुई है।विश्लेषकों ने कहा कि रूस से लेकर अमेरिका और ब्राजील तक, वैकल्पिक स्रोत किसी भी कमी को पूरा करने के लिए आसानी से उपलब्ध हैं।

रूसी तेल को होर्मुज जलडमरूमध्य से अलग रखा गया है, जो स्वेज नहर, केप ऑफ गुड होप या प्रशांत महासागर से होकर आता है। दूसरी तरफ अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका और लातिनी अमेरिका से भी तेल मंगाया जा सकता है, हालांकि यह थोड़ा महंगा होगा। कतर, भारत का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है और वह होर्मुज जलडमरूमध्य का उपयोग नहीं करता है। ऑस्ट्रेलिया, रूस और अमेरिका में भारत के तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के अन्य स्रोत पर भी कोई असर नहीं होगा। हालांकि, विश्लेषकों ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का असर निकट अवधि में कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ेगा और कीमतें 80 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं।

स्वामी सहजानंद सरस्वती

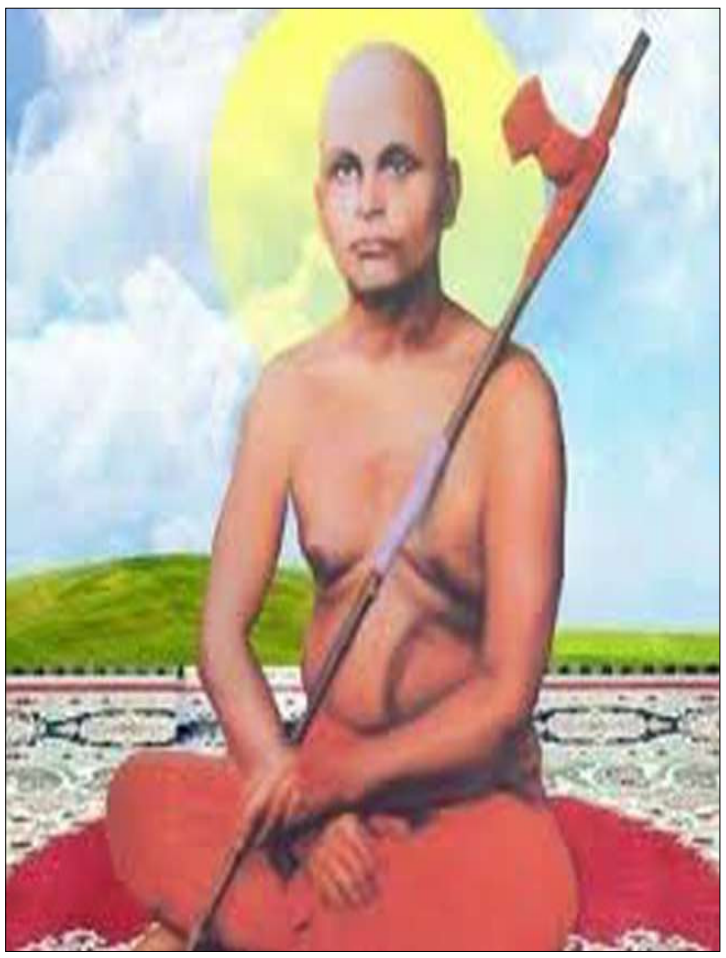

स्वामी सहजानन्द सरस्वती भारत के राष्ट्रवादी नेता एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। स्वामी जी भारत में किसान आन्दोलन के जनक थे। वे आदि शंकराचार्य सम्प्रदाय के दसनामी संन्यासी अखाड़े के दण्डी संन्यासी थे। वे एक बुद्धिजीवी, लेखक, समाज-सुधारक, क्रान्तिकारी, इतिहासकार एवं किसान-नेता थे।

आरंभिक जीवन- ऐसे महान् संन्यासी, युगद्रष्टा और जननायक का जन्म उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ीपुर ज़िले के देवा गांव में महाशिवरात्रि के दिन सन् 1889 ई. में हुआ था। स्वामीजी के बचपन का नाम नौरंग राय था। उनके पिता बेनी राय सामान्य किसान थे। बचपन में हीं माँ का साया उठ गया। लालन-पालन चाची ने किया। जलालाबाद के मदरसे में आरंभिक शिक्षा हुई। मेधावी नौरंग राय ने मिडिल परीक्षा में पूरे उत्तर प्रदेश में छठा स्थान प्राप्त किया। सरकार ने छात्रवृत्ति दी। पढ़ाई के दौरान ही उनका मन अध्यात्म में रमने लगा। घरवालों ने बच्चे की स्थिति भांप कर शादी करा दी। संयोग ऐसा रहा कि पत्नी एक साल बाद ही चल बसीं। परिजनों ने दूसरी शादी की बात निकाली तो वे भाग कर काशी चले गये।

काशी प्रवास- वहाँ शंकराचार्य की परंपरा के स्वामी अच्युतानन्द से दीक्षा लेकर संन्यासी बन गये। बाद के दो वर्ष उन्होंने तीर्थों के भ्रमण और गुरु की खोज में बिताया। 1909 में पुनः काशी पहुंचकर दंडी स्वामी अद्वैतानन्द से दीक्षा ग्रहणकर दण्ड प्राप्त किया और दण्डी स्वामी सहजानंद सरस्वती बने। इसी दौरान उन्हें काशी में समाज की एक और कड़वी सच्चाई से सामना हुआ। दरअसल काशी के कुछ पंड़ितों ने उनके सन्यास पर सवाल उठा दिया। उनका कहना था कि ब्राह्मणेतर जातियों को दण्ड धारण करने का अधिकार नहीं है। स्वामी सहजानंद ने इसे चुनौती के तौर पर लिया और विभिन्न मंचों पर शास्त्रार्थ कर ये प्रमाणित किया कि भूमिहार भी ब्राह्मण ही हैं और हर योग्य व्यक्ति सन्यास ग्रहण करने की पात्रता रखता है। काफ़ी शोध के बाद उन्होंने भूमिहार-ब्राह्मण परिचय नामक ग्रंथ लिखा जो आगे चलकर ब्रह्मर्षि वंश विस्तर के नाम से सामने आया। इसके ज़रिये उन्होंने अपनी धारणा को सैद्धांतिक जामा पहनाया। सन्यास के तदुपरांत उन्होंने काशी और दरभंगा में कई वर्षों तक संस्कृत साहित्य, व्याकरण, न्याय और मीमांसा का गहन अध्ययन किया। साथ-साथ देश की सामाजिक-राजनीतिक स्थितियों के अध्ययन भी करते रहे।

स्वामी सहजानंद के समग्र जीवन पर नजर डालें तो मोटे तौर पर उसे तीन खंडों में बांटा जा सकता है। पहला खंड है जब वे सन्यास धारण करते हैं, काशी में रहते हुए धार्मिक कुरीतियों और बाह्यडम्बरों के ख़िलाफ़ मोर्चा खोलते हैं। निज जाति गौरव को प्रतिष्ठापित करने के लिए भूमिहार ब्राह्मण महासभा के आयोजनों में शामिल होते हैं। उनका ये क्रम सन् 1909 से लेकर 1920 तक चलता है। इस दौरान काशी के अलावा उनका कार्यक्षेत्र बक्सर ज़िले का डुमरी, सिमरी और ग़ाज़ीपुर का विश्वम्भरपुर गांव रहता है। काशी से उन्होंने भूमिहार ब्राह्मण नामक पत्र भी निकाला।

किसान आन्दोलन- महात्मा गांधी ने चंपारण के किसानों को अंग्रेज़ी शोषण से बचाने के लिए आंदोलन छेड़ा था, लेकिन किसानों को अखिल भारतीय स्तर पर संगठित कर प्रभावी आंदोलन खड़ा करने का काम स्वामी सहजानंद ने ही किया। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत में किसान आंदोलन शुरू करने का श्रेय स्वामी सहजानंद सरस्वती को ही जाता है। एक ऐसा दंडी संन्यासी जिसे भगवान का दर्शन भूखे, अधनंगे किसानों की झोपड़ी में होता है, जो परंपारनुपोषित सन्न्यास धर्म का पालन करने की बजाय युगधर्म की पुकार सुन भारत माता को गुलामी से मुक्त कराने के संघर्ष में कूद पड़ता है, लेकिन अन्न उत्पादकों की दशा देख अंग्रेज़ी सत्ता के भूरे दलालों अर्थात देसी ज़मींदारों के ख़िलाफ़ भी संघर्ष का सूत्रपात करता है। एक ऐसा संन्यासी, जिसने रोटी को ही भगवान कहा और किसानों को भगवान से बढ़कर बताया।

कांग्रेस से जुड़ाव- स्वामीजी के जीवन का दूसरा अध्याय तब शुरू होता है, जब 5 दिसम्बर 1920 को पटना में कांग्रेस नेता मौलाना मजहरुल हक के आवास पर महात्मा गांधी से उनकी मुलाकात होती है। गांधीजी के अनुरोध पर वे कांग्रेस में शामिल होते हैं। साल के भीतर हीं वे ग़ाज़ीपुर ज़िला कांग्रेस का अध्यक्ष चुने गये और कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन में शामिल हुए। अगले साल उनकी गिरफ्तारी और एक साल की कैद हुई। जेल से रिहा होने के बाद बक्सर के सिमरी और आसपास के गांवों में बड़े पैमाने पर चरखे से खादी वस्त्र का उत्पादन कराया। ब्राह्मणों की एकता और संस्कृत शिक्षा के प्रचार पर उनका ज़ोर रहा। सिमरी में रहते हुए सनातन धर्म के जन्म से मरण तक के संस्कारों पर आधारित कर्मकलाप नामक 1200 पृष्ठों के विशाल ग्रंथ की हिन्दी में रचना की। काशी से कर्मकलाप का प्रकाशन किया।

किसान संगठन- महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुआ असहयोग आंदोलन जब बिहार में गति पकड़ा तो सहजानंद उसके केन्द्र में थे। घूम-घूमकर उन्होंने अंग्रेज़ी राज के ख़िलाफ़ लोगों को खड़ा किया। इसी दौरान स्वामी जी को लगा कि बिहार के गांवों में ग़रीब लोग अंग्रेज़ों से नहीं वरन् गोरी सत्ता के इन भूरे दलालों से आतंकित हैं। किसानों की हालत गुलामों से भी बदतर है। युवा संन्यासी का मन एक बार फिर से नये संघर्ष की ओर उन्मुख हुआ। वे किसानों को लामबंद करने की मुहिम में जुट गये। 17 नवंबर, 1928 को सोनपुर में उन्हें बिहार प्रांतीय किसान सभा का अध्यक्ष चुना गया। इस मंच से उन्होंने किसानों की कारुणिक स्थिति को उठाया। एक साथ जमींदारों के शोषण से मुक्ति दिलाने और ज़मीन पर रैयतों का मालिकाना हक दिलाने की मुहिम शुरू की।

अप्रैल, 1936 में कांग्रेस के लखनऊ सम्मेलन में अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना हुई और स्वामी सहजानंद सरस्वती को उसका पहला अध्यक्ष चुना गया। स्वामी सहजानंद ने नारा दिया था-

जो अन्न-वस्त्र उपजाएगा, अब सो क़ानून बनायेगा

ये भारतवर्ष उसी का है, अब शासन वहीं चलायेगा।

कारावास के दौरान- कांग्रेस में रहते हुए स्वामीजी ने किसानों को जमींदारों के शोषण और आतंक से मुक्त कराने का अभियान जारी रखा। उनकी बढ़ती सक्रियता से घबड़ाकर अंग्रेज़ों ने उन्हें जेल में डाल दिया। कारावास के दौरान गांधीजी के कांग्रेसी चेलों की सुविधाभोगी प्रवृत्ति को देखकर स्वामीजी हैरान रह गये। कांग्रेस के नेता कारावास के दौरान सुविधा हासिल करने के लिए छल-प्रपंच का सहारा ले रहे थे। स्वभाव से हीं विद्रोही स्वामीजी का कांग्रेस से मोहभंग होना शुरू हो गया। इस दौरान एक और घटना हुई। 1934 में जब बिहार प्रलयंकारी भूकंप से तबाह हुआ तब स्वामीजी ने बढ़-चढ़कर राहत और पुनर्वास के काम में भाग लिया।लेकिन किसानों जमींदारों के अत्याचार से पीड़ित थे। जमींदारों के लठैत किसानों को टैक्स भरने के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। पटना में कैंप कर रहे महात्मा गांधी से मिलकर स्वामीजी ने ये हाल सुनाया। कहते हैं कि गांधीजी ने दरभंगा महाराज से मिलकर किसानों के लिए ज़रूरी अन्न का बंदोबस्त करने के लिए स्वामीजी को कहा।

ऐसा सुनना था कि स्वामी सहजानंद गुस्से में लाल हो गये और चले गये। जाते-जाते उन्होंने गांधीजी को कह दिया कि अब आपका और मेरा रास्ता अलग-अलग है। स्वामीजी का मानना था कि जो राजे-रजवाड़े और ज़मींदार अंग्रेजों की सरपरस्ती कर रहे हैं, उनसे किसानों का भला नहीं हो सकता है। चाहे वो दरभंगा महाराज ही क्यों न हो। इसी प्रकरण के बाद सहजानंद ने कांग्रेस में अपनी सक्रियता कम कर दी और किसान सभा के कार्य में मन-प्राण से जुट गये।

ज़मींदारी विरोधी आंदोलन- स्वामीजी के जीवन का तीसरा चरण तब शुरू होता है जब वे कांग्रेस में रहते हुए किसानों को हक दिलाने के लिए संघर्ष को हीं जीवन का लक्ष्य घोषित करते हैं।

एक सप्ताह में 700 रुपये तक जा सकता है इस मेटल शेयर का भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेटल सेक्टर की एक दिग्गज कंपनी के शेयरो पर ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने बड़ा टारगेट प्राइस दिया है। खास बात है कि यह भाव शेयरों में एक सप्ताह के अंदर देखने को मिल सकता है। ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट में बताया गया है कि बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को के शेयरों में ब्रेकआउट आ गया है।

हिंडाल्को के शेयर कल की क्लोजिंग प्राइस के मुकाबले आज बढ़त के साथ खुले और एक फीसदी की तेजी के साथ 668 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। मोतीलाल ओसवाल के एनालिस्ट ने इस शेयर में तेजी आने की कुछ अहम वजह बताई हैं।

हिंडाल्को के शेयर पर बड़ा टारगेट प्राइस- मोती लाल ओसवाल ने अपनी रिपोर्ट में हिंडाल्को के शेयरों पर 702 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है, साथ ही 640 रुपये का स्टॉपलॉस लगाने की सलाह दी है। फिलहाल, कंपनी के शेयर 668 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

मोतीलाल ओसवाल के एनालिस्ट के अनुसार, टेक्निकल चार्ट पर शेयरों ने मजबूत बुलिश कैंडल के साथ ब्रेकआउट दिया है, साथ ही शेयरों में वॉल्यूम भी बढ़ रहा है। ऐसे में इस मेटल काउंटर पर दांव लगाया जा सकता है।

कैसा रहा रिटर्न- हिंडाल्को के शेयरों ने पिछले 6 महीनों में महज 6 फीसदी रिटर्न दिया है, लेकिन 5 सालों में यह मेटल शेयर निवेशको को 340त्न का शानदार रिटर्न दे चुका है।

क्या है कंपनी का कारोबार- हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, देश की बड़ी मेटल और माइनिंग कंपनी है, जो मुख्य रूप से एल्युमिनियम और कॉपर की माइनिंग करती है। यह आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी है।

जेपी मॉर्गन ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों पर टारगेट प्राइस बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की दिग्गज डिफेंस कंपनी के शेयरों पर ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस ने बड़े टारगेट प्राइस के साथ खरीदी की राय दी है। खास बात है कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में पिछले 2 महीनों से लगातार तेजी जारी है, और यह अप्रैल में 257 रुपये से 400 रुपये के स्तर पर आ चुका है। लेकिन, ब्रोकरेज हाउस ने अब इससे भी बड़ा टारगेट दिया है।

अमेरिका के ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों पर ओवरवेट की रेटिंग को बरकरार रखते हुए टारगेट प्राइस को बढ़ा दिया है। हालाकि, ब्रोकरेज हाउस की इस कवरेज के बाद आज बीईएल के शेयर दबाव के साथ कारोबार कर रहे हैं। दरअसल, ईरान-इजरायल के बीच सीजफायर की खबरों से डिफेंस शेयरों में मुनाफावसूली हो रही है।

ब्रोकरेज हाउस का बड़ा टारगेट प्राइस- जेपी मॉर्गन ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों पर टारगेट प्राइस को बढ़ाकर 490 रुपये प्रति शेयर कर दिया है। पहले यह टारगेट प्राइस 445 रुपये था। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों ने आज 426 रुपये का ऑल टाइम हाई लगाया, और इसी स्तर पर इस डिफेंस कंपनी के शेयरों में मुनाफावसूली हावी हो गई।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर 7 अप्रैल को 257 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

भारत की मल्टीनेशनल IT कंपनी, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स डिविडेंड देने वाली है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की मल्टीनेशनल IT कंपनी, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स डिविडेंड देने वाली है। इसके लिए पर्सिस्टेंट सिस्टम्स ने रिकॉर्ड डेट भी तय कर दी है। कंपनी अपने निवेशकों को 15 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का फाइनल डिविडेंड देगी।

कब है परसिस्टेंट सिस्टम्स डिविडेंड 2025 की रिकॉर्ड डेट- अपने नए एक्सचेंज फाइलिंग में, आईटी कंपनी ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए फाइनल डिविडेंड की पात्रता तय करने के लिए 14 जुलाई 2025 रिकॉर्ड डेट होगी। कंपनी यह फाइनल डिविडेंड सोमवार, 21 जुलाई 2025 को तय किए गए 35वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के बाद ऐलान करेगी।

परसिस्टेंट सिस्टम्स डिविडेंड 2025 पेमेंट डेट- अगर मंजूरी मिल जाती है तो डिविडेंड की घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर पेमेंट कर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि पेमेंट 20 अगस्त 2025 को या उससे पहले बैंक खातों में ट्रांसफर किया जा सकता है।

परसिस्टेंट सिस्टम्स शेयर प्राइस- सोमवार को बीएसई पर पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के शेयर 0.43% गिरकर 6,080 रुपये पर बंद हुए। शेयर ने इंट्राडे में 6,155.00 रुपये का उच्चतम स्तर और 6,044.50 रुपये का न्यूनतम स्तर छुआ। आज मंगलवार इसके शेयर में हल्की तेजी देखने को मिल रही है। यह 0.84त्न की तेजी के साथ 6,131 रुपय पर ट्रेड कर रहा था।

5 साल में 1384 फीसदी का रिटर्न! 836 करोड़ का ऑर्डर मिलते ही इस शेयर पर टूटे लोग, लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बोंडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड को एक बड़ा ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम स्थापित करने के लिए है। जिसकी कुल क्षमता 400 MWh की होगी। इसे तमिलनाडु ग्रीन एनर्जी कॉरपोरेशन लिमिटेड से वेल्लालविदुथी और थेन्नमपट्टी, तमिलनाडु में बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम स्थापित करने के लिए किया जाएगा। यह ऑर्डर 836,00,64,000 रुपये का है। जिसे 12 साल की अवधि में खर्च किया जाएगा।

यह BESS के लिए कंपनी के इतिहास में सबसे बड़ा स्टोरेज क्षमता ऑर्डर है, जो 2030 तक ग्रीन एनर्जी में 10GW क्षमता तक पहुँचने के उनके विजन तक पहुंचने में मदद करेगा। बिल्ड-ओन-ऑपरेट मॉडल के तहत होने वाली इस परियोजना का उद्देश्य ग्रिड स्थिरता को बढ़ावा देना है। इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा को एकीकृत करना और तमिलनाडु के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को गति देते हुए बिजली की बहुत ज्यादा मांग का प्रबंधन करना है। बोंडाडा इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर में तेजी देखने को मिली है। इसने आज अपर सर्किट छू लिया। अंत में यह 5 फीसदी की तेजी के साथ 466 रुपये पर बंद हुआ।

आपके घर में पड़ा चांदी असली है या नकली, कैसे करें जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांदी में आज लोग सोने की तरह ही अपना रुझान दिखा रहे हैं। आजकल सोने और चांदी को लेकर धोखाधड़ी भी बढ़ने लगी है। बाजारों में असली कीमत पर नकली कमोडिटी जैसे सोना और चांदी बेचे जा रहे हैं। अगर आप भी चांदी खरीदने का प्लान कर रहे हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए बड़े काम का हो सकता है।

आज हम जानेंगे कि आप घर बैठे ही चांदी की चमक का पहचान कैसे कर सकते हैं।

कैसे पहचाने चांदी असली या नकली- जैसे 100% सोना काफी लचीला होता है, ऐसे ही 100 फीसदी चांदी भी काफी लचीला होता है।

इसलिए चांदी के गहने बनाने के लिए अन्य धातुओं का मिश्रण मिलाया जाता है। अगर आप चांदी की शुद्धता पहचाना चाहते हैं, तो नीचे दिए विकल्प का इस्तेमाल कर सकते हैं-

आप चुम्बक के जरिए आसानी से नकली चांदी की पहचान कर सकते हैं। शुद्ध चांदी कभी भी मैग्नेट की ओर आकर्षित नहीं होता। अगर आपकी चांदी की वस्तु या गहना चम्बुक की ओर आकर्षित होता है, तो उसमें अन्य धातुओं का मिश्रण ज्यादा हो सकता है।

कई लोग बर्फ से भी चांदी की शुद्धता की जांच करते हैं। चांदी को गुड कंडक्टर माना जाता है। अगर आप इस पर बर्फ रखते हैं, तो ये तुरंत पिघलना शुरू हो जाएगा। हालांकि इन विकल्पों से चांदी पर असर दिख सकता है।

हॉलमार्क के जरिए करें पहचान- BIS (भारतीय मानक ब्यूरो) के द्वारा शुद्ध चांदी की जांच के लिए हॉलमार्क दिया जाता है। चांदी में शुद्धता की संख्या 925 लिखी होती है, जिसका मतलब है कि इसमें 92.5 फीसदी चांदी का मिश्रण मौजूद है। इसके अलावा केंद्र और निर्माता का कोड भी लिखा गया होगा। हॉलमार्क के जरिए चांदी की पहचान को सबसे आसान और प्रोफेशनल माना जाता है। आप चाहें तो ज्वैलर के पास मौजूद इलेक्ट्रॉनिक टेस्ट मशीन से भी शुद्ध चांदी की जांच कर सकते हैं।

कितनी है चांदी की कीमत- दोपहर 2.51 बजे एमसीएक्स में 1 किलो चांदी का दाम 105802 रुपये चल रहा है। इसने अब तक 105415 प्रति किलो पहुंचकर लो रिकॉर्ड बनाया है।

एचडीएफसी बैंक शेयर के डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट 27 जून

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश का सबसे बड़ा और प्राइवेट बैंक अपने शेयरधारकों को डिविडेंड देने जा रहा है। कुछ दिनों पहले ही एचडीएफसी बैंक ने 22 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया था और इसके लिए रिकॉर्ड डेट तय कर दी थी, और अब यह तारीख नजदीक आ रही है। 27 जून इस बैंक शेयरों की डिविडेंड की एक्स/रिकॉर्ड डेट है, यानी जो निवेशक इस तारीख से पहले स्टॉक खरीदता है तो वह डिविडेंड पाने का हकदार होगा।

एचडीएफसी बैंक ने 19 अप्रैल को एक्सचेंज फाइलिंग में पात्र शेयरधारकों को डिविडेंड देने का ऐलान किया था। फाइलिंग में बैंक ने कहा, ÷बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए हर इक्विटी शेयर पर 22 रुपये डिविडेंड (2200%) देने की सिफारिश की है। हर कंपनी डिविडेंड देने के ऐलान के साथ ही उसके लिए एक्स/रिकॉर्ड डेट तय कर देती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों ने ली सेल्फी, लगाई ऑनलाइन हाजिरी, नेटवर्क नहीं मिलने के कारण कुछ हुए परेशान

भोपाल। सरकारी स्कूल के शिक्षकों ने सोमवार से ऑनलाइन हाजिरी लगाई। ट्रायल के रूप में शिक्षकों ने सेल्फी लेकर कुछ स्कूलों में हमारे शिक्षक ई-गवर्नेंस प्रणाली पर अपलोड किया। कुछ स्कूलों में नेटवर्क नहीं मिलने के कारण शिक्षकों को परेशानी हुई। प्रदेश के करीब चार लाख शिक्षकों की उपस्थिति सेल्फी के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज होगी। प्रणाली शिक्षा पोर्टल 3.0 पर उपलब्ध

स्कूल शिक्षा विभाग ने नई तकनीक हमारे शिक्षक प्रणाली तैयार किया है। यह प्रणाली शिक्षा पोर्टल 3.0 पर उपलब्ध है। हर शिक्षक के मोबाइल पर इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करेंगे। सोमवार को शिक्षक स्कूल पहुंचते ही अपने मोबाइल से इस प्रणाली पर सेल्फी लेकर अपलोड करते नजर आए। सुभाष उत्कृष्ट उमावि के शिक्षकों ने उत्साह के साथ स्कूल में प्रवेश करते ही सबसे पहले मोबाइल से सेल्फी लेकर अपलोड किया।

सिस्टम से ट्रैस और उपस्थिति दर्ज

इसके तुरंत बाद ही उनका लोकेशन भी इस सिस्टम से ट्रैस हो गया और शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज हो गई । इसका ट्रायल 30 जून तक किया जाएगा। इसके बाद एक जुलाई से शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी।इससे जो शिक्षक अपने स्थान पर दूसरों को पढ़ाने भेजते हैं या अनुपस्थित रहते हैं।उस पर लगाम लग सकेगी।इसकी निगरानी जिला शिक्षा अधिकारी करेंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में हुई परेशानी

ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षकों को नेटवर्क नहीं मिलने के कारण परेशानी हुई।उन्होंने सेल्फी ले लिया, लेकिन पोर्टल पर अपलोड नहीं हो सका।शिक्षकों का कहना है कि आधा घंटा का समय इस सिस्टम में लग रहा है।

दो साल की तलाश के बाद मिला 2.69 कैरेट का हीरा

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले की चोपड़ा स्थित एक निजी खदान में दो साल की अथक मेहनत के बाद एक महिला की किस्मत चमक उठी है। सावित्री सिसोदिया नामक इस महिला को अपनी खदान से 2 कैरेट 69 सेंट का एक चमचमाता हीरा मिला है। इस हीरे की अनुमानित कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है, जिससे महिला और उनके परिवार की जिंदगी बदल सकती है। हीरा कार्यालय में महिला ने कराया जमा जानकारी हो कि महिला ने इसे आज हीरा कार्यालय में जमा कर दिया। महिला ने बताया कि वह पिछले दो सालों से चोपड़ा की एक निजी खदान में हीरे की तलाश कर रही थीं। कड़ी धूप, धूल और कड़ी मेहनत के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी।

नीलामी में रखा जाएगा यह हीरा महिला के इस प्रयास ने अब रंग लाया है. प्रकृति का यह बेशकीमती तोहफा मिलने के बाद महिला खुश है. हीरा पारखी ने हीरे का निरीक्षण कर उसे जमा कर लिया है जिसे आगामी नीलामी में रखा जाएगा। नीलामी से मिलने वाली राशि, शासकीय रॉयल्टी और टैक्स की कटौती के बाद महिला को सौंप दी जाएगी। यह घटना एक बार फिर दर्शाती है कि पन्ना की धरती किस तरह से अपने भीतर बेशकीमती रत्नों को समेटे हुए है और कैसे यह मेहनती लोगों की किस्मत बदलने का माद्दा रखती है।

Rahul Gandhi की कहानी, पत्नी मेधा से हुआ विवाद-हाईकोर्ट पहुंचा मामला, अब दिल्ली में सुलह की कोशिश

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने रीवा रोड, सतना निवासी राहुल गांधी व उनकी पत्नी मेधा गांधी के बीच सुलह की जिम्मेदारी दिल्ली हाई कोर्ट के मध्यस्थता केंद्र को सौंप दी है। दंपति को दो जुलाई को मध्यस्थता केंद्र दिल्ली में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। मीडिएशन एक्सपर्ट दोनों के बीच मनमुटाव दूर करने समझाइश देंगे। हाई कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 31 जुलाई को नियत की गई है। राहुल गांधी का पत्नी मेधा गांधी से विवाद

मेधा गांधी ने हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि उसका पति राहुल गांधी साढ़े तीन वर्ष की मासूम बेटी को जबरन ले गया है। लिहाजा, बंधक बेटी को मुक्त कराया जाए। वह 20 मार्च को बाजार गई थी। वह दुकान में कुछ खरीद रही थी। बच्ची कार में बैठी थी। लौटकर देखा तो पाया कि वह गायब है। पति राहुल ही उसे ले गया है। जब बच्ची की तलाश जारी थी, तभी राहुल का फोन आया। उसने बताया कि बच्ची उसके पास है। जिसके बाद पत्नी मेधा ने कोतवाली थाने पहुंचकर बच्ची को जबरन ले जाने वाले पति के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बावजूद पुलिस ठोस कार्रवाई नहीं कर रही थी। हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई। राज्य शासन, गृह सचिव, एसपी सतना, थाना प्रभारी सतना कोतवाली व पति राहुल गांधी को नोटिस जारी किये थे।

कांग्रेस ने कहा- भाजपा दलित विरोधी...तो सीएम यादव ने भी किया पलटवार

ग्वालियर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ परिसर में डा. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापना की मांग को लेकर मध्य प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश सरकार प्रतिमा की स्थापना नहीं करा रही है, इससे भाजपा का दलित विरोधी चेहरा उजागर हो गया है। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने 25 जून को ग्वालियर के फूलबाग स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष उपवास करने की घोषणा की है। इधर, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कांग्रेस पर पलटवार कर कहा है कि कांग्रेस इस मुद्दे पर सिर्फ राजनीति कर रही है। उसका बाबा साहब से कोई लेना नहीं है।वकीलों के दो पक्षों में चल रहा है विवाद

बता दें कि ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना कराने की मांग पर वकीलों के दो पक्षों में इस साल फरवरी माह से विवाद चल रहा है। एक पक्ष प्रतिमा स्थापना की मांग उठा रहा है, दूसरा इसके पक्ष में नहीं है। वहीं, प्रतिमा की स्थापना कराने की मांग को लेकर भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के केंद्रीय नेता उत्तर प्रदेश और दिल्ली से आकर धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं। आगे भी इन संगठनों से ग्वालियर में बड़े विरोध प्रदर्शनों की घोषणा की है।

प्रतिमा स्थापना के समर्थन में कांग्रेस

वहीं, मध्य प्रदेश सरकार की ओर से इस मामले में कोई कदम न उठाने को मुद्दा बनाते हुए कांग्रेस भी प्रतिमा स्थापना के समर्थन में उतर आई। उसने पहले तो इन संगठनों के पक्ष में बयान जारी किए। बाद में स्पष्ट किया कि वह चाहती है कि डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा की स्थापना हो लेकिन वह अतिवादी संगठनों से दूरी बनाकर चलेगी, क्योंकि यह संगठन राजनीतिक एजेंडे पर काम कर रहे हैं।

ग्वालियर-चंबल अंचल जातिवादी राजनीति का केंद्र

बता दें कि ग्वालियर-चंबल अंचल की राजनीति का मूल आधार ही जाति आधारित है। एट्रोसिटी एक्ट के विरोध के स्वर अंचल से उठे थे और जातिय संघर्ष भी हुआ था, तभी से अतिवादी संगठनों को यहां की राजनीति की तासीर अनुकूल लग रही है। दूसरी तरफ बसपा के कमजोर से पड़ने से कांग्रेस की उम्मीद जागी है कि कोई विकल्प नही होने पर उसका परंपरागत वोट उसकी तरफ पलट सकता है। भाजपा भी सामाजिक समरसता का पाठ इस वर्ग को पढ़ाने का प्रयास कर रही है। सभी संगठन अपने-अपने राजनीतिक एजेंडे के अनुसार बाबा साहेब की प्रतिमा विवाद को तूल देने का प्रयास कर रहे हैं।

4 बच्चों के लिए तैनात हैं 2 शिक्षक, 12 साल से दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाई दर्ज संख्या

बालाघाट। बालाघाट (मध्य प्रदेश) के वनग्राम सोनेवानी की स्थिति राज्य के शिक्षा तंत्र की एक अलग ही तस्वीर पेश करती है। घने जंगलों के बीच बसे इस गांव में शासकीय प्राथमिक विद्यालय वर्ष 1997 में प्रारंभ हुआ था। शुरुआत में यहां 20 से अधिक छात्रों की उपस्थिति रहती थी, लेकिन पिछले 12 वर्षों से छात्र संख्या दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सकी।

नया शैक्षणिक सत्र (2025-26) शुरू हो चुका है और इस बार भी सिर्फ 4 छात्र ही दर्ज हैं। इसके बावजूद स्कूल में 2 शिक्षक तैनात हैं। एक प्रधानपाठक और एक सहायक शिक्षक।हर साल घटती गई संख्या

वर्ष 2014-15 से लेकर अब तक कभी 3 तो कभी 6 बच्चों की उपस्थिति रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो-

2014-15- 5 छात्र
2015-16- 3 छात्र
2016-17- 3 छात्र
2017-18- 3 छात्र
2018-19- 5 छात्र
2019-20- 3 छात्र
2020-21- 6 छात्र
2021-22- 6 छात्र
2022-23- 5 छात्र
2023-24- 3 छात्र
2024-25- 4 छात्र
2025-26- 4 छात्र

इस गांव में कुल 12 घर हैं, जहां आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं। छोटे बच्चे कम हैं और कई परिवार अपने बच्चों को शिक्षा के लिए पास के बड़े गांवों में भेजना पसंद करते हैं।

शिक्षकों की स्थिति-इस स्कूल में प्रधानपाठक चतुर्भुज राणा 28 वर्षों से कार्यरत हैं, जबकि शिक्षक सुरेंद्र अमोलिया पिछले 10 वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं। दोनों ही शिक्षक स्कूल के चार बच्चों को पूरी गंभीरता से पढ़ा रहे हैं। एक कक्षा पहली में, दो कक्षा दूसरी में और एक कक्षा तीसरी में। कक्षा चौथी और पांचवीं में कोई भी विद्यार्थी नहीं है।

प्रति विद्यार्थी पर लाखों का खर्च

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस स्कूल में प्रति वर्ष करीब एक लाख रुपये प्रति छात्र खर्च हो रहे हैं, जिसमें शिक्षकों का वेतन, मध्याह्न भोजन, स्टेशनरी और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। यानी कुल मिलाकर 4 छात्रों के लिए सरकार करीब 4 लाख रुपये सालाना खर्च कर रही है।

पर्यावरण/वायु गुणवत्ता में सुधार और जल संचयन के क्षेत्र में इंदौर की देश में विशेष पहचान

एनजीटी अपने आदेशों एवं निर्देशों में कर रहा है इंदौर मॉडल का उल्लेख

इंदौर। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) की प्रिंसिपल बेंच के सदस्य डॉ. अफरोज अहमद ने कहा है कि पर्यावरण संरक्षण एवं सुधार, वायु गुणवत्ता में सुधार और जल संचयन के क्षेत्र में इंदौर की देश में विशेष पहचान है। यह देश का मॉडल शहर है। यहां विगत कई वर्षों से अनेक उल्लेखनीय कार्य और नवाचार हो रहे हैं। इसे और आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इंदौर जिले में सभी ग्राम पंचायत में प्राकृतिक संसाधनों का डेटाबेस तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि एनजीटी अपने आदेशों एवं निर्देशों में इंदौर मॉडल का उल्लेख भी कर रहा है।

डॉ. अफरोज अहमद की अध्यक्षता में आज यहां जिला पर्यावरण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, एमपीआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में बताया गया कि जारी वर्ष 2025 के लिए जिला पर्यावरण प्लान बन गया है। इस प्लान में वेस्ट मैनेजमेंट, वायु गुणवत्ता, वेटलैंड मैनेजमेंट, वृक्षारोपण आदि पर विशेष ध्यान देने का प्रावधान रखा गया है। जानकारी दी गई की 432 जल संरचनाओं को परियोजना में वेटलैंड मैनेजमेंट प्लान के तहत शामिल किया गया है। श्री अफरोज अहमद ने कहा कि जिले में ग्राम पंचायत वार प्राकृतिक संसाधनों की मैपिंग कर डेटाबेस बनाएं। इसमें जल सरंचना, वृक्ष, पहाड़ आदि की जानकारी सम्मिलित हो। उन्होंने कहा कि सभी तालाबों का सीमांकन भी कराया जाए। वृक्षारोपण अभियान के तहत लग रहे पौधों की सुरक्षा, रखरखाव और संधारण के लिए भी ग्रामवार समिति बनाई जाना चाहिए। बैठक में उन्होंने कहा कि ग्रीन बेल्ट सुरक्षित रहे इसके लिए विशेष प्रयास हो। पर्यावरण के साथ खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाना चाहिए। इंदौर में हरित क्षेत्र की वृद्धि के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएं। बताया गया कि जिले में इस वर्ष 20 लाख पौधे लगाए जाने का लक्ष्य है। श्री अहमद ने कहा कि पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए व्यापक जन जागरूकता अत्यंत जरूरी है। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने जिले में पर्यावरण संरक्षण और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

श्रमिकों के बच्चों को उच्च शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत छात्रवृति हेतु आवेदन आमंत्रित

इंदौर। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य के बीड़ी, चूना पत्थर, डोलोमाईट तथा लौह-मैग्नीज-क्रोम अयस्क खदान श्रमिकों के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत बच्चों को कक्षा 1 से उच्च शिक्षा प्राप्त करने पर एक हजार रुपये से 25 हजार रुपये तक छात्रवृति दी जायेगी। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र विद्यार्थियों को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करना होगा।

आवेदन करने की तिथि 2 जून से प्रारंभ हो चुकी है। अंतिम तिथि 31 अगस्त 2025 निर्धारित की गई है। इसी तरह पोस्ट मैट्रिक हेतु अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में छात्रवृति हेतु आवेदन करने के लिए ओटीआर एवं फेस ओथेंटिकेशन प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। आवेदन की पात्रता एवं अन्य जानकारी नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेजों को स्पष्ट और पठनीय स्थिति में स्कैन कर अपलोड करना होगा। विद्यार्थियों से कहा गया है कि वे ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात अपने शिक्षण संस्थान में संपर्क कर अपने आवेदन को स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से ही सत्यापित करवाना सुनिश्चित करें। बिना सत्यापित आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। यह सलाह दी गई है कि यदि पोर्टल पर प्रदर्शित अन्य विभागों द्वारा छात्रवृति की अधिक राशि प्रदान की जाती है तो ऐसे छात्र-छात्राएं संबंधित विभाग की छात्रवृति हेतु आवेदन कर सकते हैं।

डिजिटल और पारदर्शी प्रक्रिया से होगी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भर्ती- मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया

इंदौर। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पहली बार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की भर्ती पूर्णतः डिजिटल और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश भर में कुल 19,504 रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन जारी कर दिया गया है।

सुश्री भूरिया ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पारदर्शी शासन प्रणाली की भावना को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस प्रक्रिया में इच्छुक महिलाएं MP Online के चयन पोर्टल पर अपना आवेदन कर सकेंगी।उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदनकर्ता अपने दस्तावेज भी इसी पोर्टल पर अपलोड करेंगे तथा चयन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन एवं योग्यता आधारित होगी। इस पहल से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की योग्य महिलाओं को समान अवसर मिलेगा और चयन में किसी प्रकार की भेदभाव या अपारदर्शिता नहीं होगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों को चाहिए कि वे 4 जुलाई 2025 तक पोर्टल पर अपना आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते है। इस बार विभागीय कार्यालयों में ऑफलाइन या व्यक्तिगत रूप से कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

इंदौर में जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन 25-26 जून को

इंदौर। इंदौर में जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन 25 और 26 जून को किया जाएगा। जिला विज्ञान अधिकारी श्री आर. के. चेलानी द्वारा जानकारी दी गई कि जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी के आयोजन के संबंध में गठित की गई समितियों के कार्य और व्यवस्था की संयुक्त कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी इंदौर द्वारा समीक्षा की गई। प्रदर्शनी के आयोजन के सम्बंध में श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णव बाल मन्दिर गर्ल्स हायर सेकेंडरी, साउथ राजमोहल्ला इंदौर का कार्यक्रम स्थल के लिए चयन किया गया है। बैठक में पंजीयन समिति, मॉडल कक्ष प्रभारी, व्यवस्था समिति आदि के नोडल अधिकारी द्वारा अपने अपने कार्य की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम

स्थल पर विद्यार्थियों के द्वारा अपने वैज्ञानिक रुचि के अनुसार तैयार मॉडल का प्रदर्शन किया जाएगा। दो दिवसीय प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के मॉडल का ज्यूरी द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा और चयनित मॉडलों को राज्य स्तरीय प्रदर्शनी पर भेजा जाएगा।

इंदौर जिले में सत्र 2023-24 में 691 छात्रों द्वारा इंस्पायर अवार्ड पोर्टल पर आइडिया अपलोड किया गए थे, इनमें से 72 छात्रों के आईडिया NIF अहमदाबाद द्वारा चयन किये गए। इसी प्रकार 2024-25 के लिए जिले के 1082 छात्रों द्वारा अपने आइडिया अपलोड किया गए थे, उनमें से 72 आइडिया NIF अहमदाबाद द्वारा चयनित हुए । तकनीकी शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चयनित छात्रों के खाते में 10 हजार रूपये की राशि प्रति छात्र दी गई है। इस राशि से छात्र अपने आइडिया के आधार पर मॉडल / प्रोटोटाइप बनाकर प्रदर्शित करेंगे। उपरोक्त छात्रों में से 10व छात्रों का चयन राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की ओर बुरहानपुर का ऐतिहासिक कदम

इंदौर। इंदौर संभाग के बुरहानपुर जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में अभिनव पहल की गई। बुरहानपुर जिला कलेक्टर श्री हर्ष सिंह के निर्देशन में एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत जिले के ग्राम झिरी की फोरलेन समीपस्थ पहाड़ी पर पर्यावरण संवर्धन हेतु एक ऐतिहासिक बीजारोपण श्रमदान संपन्न हुआ। इस अभियान में बुरहानपुर नगरी को हराभरा बनाने के संकल्प के साथ पलाश, चिरोल, करंज, अमलतास, सीताफल एवं टेमरू प्रजातियों के कुल एक लाख बीजों का रोपण 50 हजार गड्ढों में किया गया।

इस पुनीत कार्य में बुरहानुपर जिले की शासकीय शालाओं के 100 विद्यार्थी, आयुर्वेद महाविद्यालय के 100 विद्यार्थी, ठाकुर शिवकुमार सिंह महाविद्यालय के लगभग 75 विद्यार्थी, विभिन्न संस्थाओं के शिक्षकगण, जिला अधिकारीगण, पटवारी एवं ग्रामीणजन सहित कुल 400 श्रमवीरों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इंदौर जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों की भर्ती के लिए प्रक्रिया प्रारंभ

इंदौर। इंदौर जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के रिक्त पदों की भर्ती के लिए प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इसके लिये 04 जुलाई 2025 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग इंदौर श्री रजनीश सिन्हा ने बताया कि इन्दौर जिला अन्तर्गत संचालित बाल विकास 15 परियोजनाओं में आंगनवाडी कार्यकर्ताओं /सहायिकाओं के पूर्णतः अस्थाई (मानसेवी) एवं मानदेय आधारित आंगनवाडी कार्यकर्ता के 32 तथा सहायिकाओं के 196 रिक्त पदों की पूर्ति एम0पी0 ऑनलाइन द्वारा तैयार चयन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त किये जाएंगे। ऑफलाईन प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 04 जुलाई 2025 नियत की गयी है। अन्तिम तिथि तक प्राप्त आवेदन में संशोधन किये जाने की अन्तिम तिथि 07 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। परियोजना अन्तर्गत अन्तिम रूप से रिक्त पदों की संख्या एवं वार्ड तथा स्थान की जानकारी चयन पोर्टल पर उपलब्ध है। रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवश्यक है कि जिस ग्राम/नगरीय क्षेत्र के वार्ड में रिक्त पद की पूर्ति की जानी है, आवेदिका ग्रामीण क्षेत्र में उसी राजस्व ग्राम एवं शहरी/नगरीय क्षेत्र में उसी वार्ड की निवासी होना अनिवार्य है। अन्य ग्राम/वार्ड की महिला आवेदन हेतु पात्र नहीं है। आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं आंगनवाडी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता हायर सेकण्ड्री (12वी उत्तीर्ण) अनिवार्य है। आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं आंगनवाडी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु 01.01.2025 की स्थिति में आयु 18 से 35 वर्ष होना अनिवार्य है। आवेदिका द्वारा रिक्त पदों हेतु ऑनलाइन भरते समय ही आवेदन पत्र के साथ समस्त प्रमाण-पत्र पीडीएफ फार्मेट में अपलोड किये जायेगे। आवेदन के उपरांत आवेदन में संशोधन की सुविधा निर्धारित अवधि हेतु ही उपलब्ध होगी। ऑनलाइन माध्यम से भरे गये आवेदन के प्रिंटआउट की प्रति संबंधित आवेदिका द्वारा सुरक्षित रखी जायेगी। कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय को प्रेषित नियुक्ति संबंधी आवेदन पत्र को स्वीकार नहीं किया जाएगा। केवल ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होंगे। आवेदन एम.पी. ऑनलाइन द्वारा स्थापित कियोस्क के माध्यम से या स्वयं एम0पी0 ऑनलाइन के पोर्टल पर जाकर भर सकते हैं। एम0पी0 ऑनलाईन द्वारा भरे जाने वाले आवेदन हेतु शुल्क राशि रूपये 100/- निर्धारित है। MP Online से संबंधित समस्या हेतु हेल्पलाईन नम्बर 0755-6720208 है। जिन आंगनवाड़ी केन्द्रों के रिक्त पदों की पूर्ति के लिये विज्ञप्ति जारी की जा रही है।

इंदौर में आबकारी विभाग द्वारा 18 शराब दुकानों पर पंजीबद्ध प्रकरणों में से 09 और दुकानों पर 22.95 लाख का जुर्माना अधिरोपित

3 दिन पूर्व 8 दुकानों पर 20.82 लाख का जुर्माना लगाया गया था , अब तक 18 में से 17 दुकानों पर 43.75 लाख का जुर्माना अधिरोपित, 1 प्रकरण शेष

इंदौर। उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा और मदिरा दुकानों पर नियंत्रण के उद्देश्य से जिला आबकारी विभाग ने पिछले दिनों सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया था। विभाग द्वारा की गई गहन जांच में 18 शराब दुकानों पर एमआरपी से अधिक या एमएसपी से कम मूल्य पर मदिरा विक्रय किए जाने के प्रमाण पाए गए थे। संबंधित सभी लाइसेंसियों को नोटिस के उपरांत प्रकरण सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी द्वारा कलेक्टर श्री आशीष सिंह के समक्ष निराकरण हेतु प्रस्तुत किये गए थे। कलेक्टर द्वारा आज 09 और प्रकरणों का निराकरण करते हुए इन दुकानों पर 22.95 लाख का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। जिसका इंद्राज सहायक आबकारी आयुक्त द्वारा ई-आबकारी पोर्टल पर अद्यतन किया गया है, शेष 01 प्रकरण का निराकरण भी शीघ्र किया जाएगा । जिन दुकानों पर जुर्माना अधिरोपित किया गया गया है उनमें कंपोजिट मदिरा दुकान काछी मोहल्ला पर 137267 रूपये, जीपीओ चौराहा स्थित दुकान पर 199698 रूपये, शिवनी स्थित दुकान पर 66596 रूपये, छावनी की दुकान पर 296396 रूपये, परदेशीपुरा क्र 2 स्थित दुकान पर 253727 रूपये, हातोद क्र 01 पर स्थित दुकान पर 179138 रूपये, रेती मण्डी चौराहा स्थित दुकान पर 272981 रूपये, साजन नगर स्थित दुकान पर 263185 रूपये और ट्रांसपोर्ट नगर स्थित शराब दुकान पर 696983 रूपये शामिल हैं।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

चौड़ीकरण मार्ग पर रहवासियों को किसी प्रकार की समस्या ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखें - महापौर

महापौर एवं निगम आयुक्त ने किया चौड़ीकरण अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण

उज्जैन। सिंहस्थ महापर्व 2028 को दृष्टिगत रखते हुए शहर के प्रमुख आंतरिक मार्गों का चौड़ीकरण कार्य प्रारंभ किया गया है जिसके क्रम में मंगलवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, एमआईसी सदस्य श्री प्रकाश शर्मा, श्री शिवेंद्र तिवारी, डॉ योगेश्वरी राठौर के साथ कोयला फाटक चौराहा से होते हुए मेट्रो टॉकीज की गली इंद्रप्रस्थ टावर तक चौड़ीकरण के प्रचलित कार्यों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि मार्ग चौड़ीकरण अंतर्गत लगभग 100 से अधिक भवन स्वामियों को निगम द्वारा नोटिस जारी किए गए थे जिसके क्रम में रहवासियों द्वारा स्वयं द्वारा ही अपने मार्किंग किए गए भाग को हटाने की कार्यवाही की गई और चौड़ीकरण कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया गया।

महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा निर्देशित किया गया की निगम द्वारा क्षेत्र के रहवासियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए परियोजना की ड्राइंग, डिजाइन एवं संबंधित अधिकारियों के नाम अंकित किए जाए ताकि रहवासियों को कुछ समस्या आए तो वह संबंधित अधिकारियों को जानकारी दे सके इसी के साथ चौड़ीकरण मार्ग पर पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखें ताकि क्षेत्र के नागरिकों को किसी प्रकार की समस्या ना हो, निगम द्वारा नाली निर्माण का कार्य भी प्रारंभ किया गया है।

निरीक्षण के दौरान झोन अध्यक्ष श्री सुशील श्रीवास, पार्षद श्रीमती लीला वर्मा, अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, उपायुक्त श्री योगेंद्र पटेल, श्री संजेश गुप्ता, श्रीमती कृतिका भीमावत, अधीक्षण यंत्री श्री संतोष गुप्ता, कार्यपालन यंत्री श्री साहिल मेदावाला, श्री राकेश वास्कले, श्री लक्ष्मण प्रसाद साहू एवं उपयंत्री गण उपस्थित रहे।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अपनी स्थापना से ही शिक्षा में परिवर्तन के लिए कार्यरत

उज्जैन। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास अपनी स्थापना से ही शिक्षा में बदलाव के लिए कार्यरत है। शिक्षा बदलेगी तो समाज बदलेगा। चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व के समग्र विकास के साथ मातृभाषा में शिक्षा हो, राष्ट्र केंद्रित शिक्षा हो तथा भारतीय भाषाओं में न्याय मिले इन बिंदुओं पर न्यास पूरे देश में कार्य कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए भी न्यास देश भर में कार्य कर रहा है। न्यास के मालवा प्रान्त की बैठक अरिहंत महाविद्यालय रतलाम में संपन्न हुई। बैठक को पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी, विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज, न्यास की महिला कार्य की प्रभारी सुश्री शोभा पैठनकर, क्षेत्रीय संयोजक ओम प्रकाश शर्मा, पद्मश्री रमेश परमार, डॉ सुनीता जोशी ने संबोधित किया। न्यास के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई तथा इन विषयो के अंतर्गत किये गए कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया स यह जानकारी देते हुए क्षेत्रीय संयोजक प्रचार प्रसार डॉ जफर महमूद ने बताया कि बैठक के अंत मे समारोप सत्र में प्रान्त संयोजक रामसागर मिश्रा ने न्यास से संबंधित दायित्वों की घोषणा की।

नवीन दायित्व अनुसार डॉ वीरेंद्र कुमार गुप्ता को वैदिक गणित का प्रांत संरक्षक, महेंद्र उपाध्याय को वैदिक गणित का प्रांत संयोजक, डॉ. जीवन सिंह सोलंकी को पर्यावरण का प्रांत सह संयोजक बनाया गया। डॉ आर एम शुक्ल विभाग (संभाग) संयोजक तथा डॉ. एस के मिश्रा को विभाग (संभाग) सह संयोजक के दायित्व दिये गये स अविनाश राठौर जिला संयोजक का दायित्व दिया गया स प्रांत बैठक में उज्जैन से डॉ प्रेमलता चुटेल, डॉ गीता नायक, डॉ जफर महमूद, डॉ आर एम शुक्ल, डॉ एस के मिश्रा, डॉ नीरज सारवान, डॉ प्रदीप लाखरे, डॉ कीर्ति डीड्डी, डॉ प्रेरणा मनाना डॉ जीवन सिंह सोलंकी, महेंद्र उपाध्याय, अविनाश राठौर आदि उपस्थित थे।

नशामुक्ति दिवस पर उज्जैन में विशाल जनजागरण रैली का आयोजन

उज्जैन। 26 जून, गुरुवार को जीवनदीप परिवार,जीवनदीप महिला विंग व युवा उज्जैन के सयुंक्त तत्वाधान मेंप्रातः 8-30 बजे खाराकुआं स्थित जीवनदीप फिजियोथेरेपी सेंटर से एक विशाल जनजागरण रैली का आयोजन किया जा रहा है।आप सभी से निवेदन है कि इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर नशामुक्त भारत के निर्माण में सहयोगी बने।रुट-रैली जीवनदीप फिजियोथेरेपी सेंटर से प्रारंभ होकर भागसीपुरा, नईपेठ होकर छत्रीचौक पहुँचेगी,वहाँ पेम्पलेट वितरण के तत्पश्चात रैली बड़ा सराफा, छोटा सराफा,नमकमंडी होते हुए फिजियोथेरेपी सेंटर पर 9.30 बजे समापन होगा आयोजक-जीवनदीप परिवार जीवनदीप महिला विंग युवा उज्जैनसमय पर प्रारम्भ समय पर समापन।

भाविप हरसिद्धि शाखा उज्जैन का हुआ दायित्व ग्रहण समारोह

उज्जैन। भारत विकास परिषद हरसिद्धि शाखा के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का दायित्व ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत, राष्ट्रगीत और दीप प्रज्वलन से हुई। समारोह में मुख्य अतिथि सीएसपी दीपिका शिंदे, ओम प्रकाश गर्ग, प्रकाश चित्तौड़ा, ओम प्रकाश गुप्ता, ईश्वर पटेल का स्वागत शाखा अध्यक्ष आरती खरे, तृप्ति शर्मा ने पुष्पमाला से किया। पूजा चित्तौड़ा ने नव निर्वाचित अध्यक्ष संगीता सोनी, सचिव पूर्णिमा जैन, कोषाध्यक्ष अलका श्रीवास्तव व अन्य सदस्यों को शपथ दिलाई। सभी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। रक्तवाहिनी रक्तयोद्धा सेवा संस्था के संस्थापक यतीश जाट व अन्य सदस्यों ने रक्त दान का महत्व समझाया। कार्यक्रम में शाखा के सदस्य हीरामणि दिनेश महाजन, जया परिहार, कृष्णा खोड़े, रुचि चौहान, वंदना राजेन्द्र नागर, सुनीता कमलेश शर्मा, शोभा सिंघल, डाबरेजी व अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही। भारत विकास परिषद की अन्य शाखाओं के सदस्य भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन दीप्ति जैन ने किया।

अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन उज्जैन द्वारा 29 जुन को थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों की सहायतार्थ आयोजित 'रक्तदान शिविर' में नगर की कई संस्थाओं ने स्वेच्छा से सहभागिता करने में उत्सुकता प्रदर्शित की है। इसी श्रृंखला में 'भारत विकास परिषद हरसिद्धि' शाखा द्वारा आयोजित बैठक में पदाधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन मध्यप्रदेश के वरिष्ठ कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप धारिया एवं रक्तदान शिविर विशेषज्ञ सुनील गुप्ता द्वारा रक्तदान शिविर की जानकारी देकर प्रोत्साहित किया। बैठक में पूर्व निगम सभापति प्रकाश चित्तौड़ा एवं भारत विकास परिषद के प्रदेश प्रभारी ओम गुप्ता, ओम प्रकाश गर्ग एवं दिनेश महाजन सहित बड़ी संख्या में अन्य पदाधिकारी बंधु भी उपस्थित रहे।

विक्रम विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यशाला प्रारंभ

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान संस्थान में 24 जून से पांच दिवसीय कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला विशेष रूप से विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की डिजिटल साक्षरता को सशक्त बनाने हेतु आयोजित की गई है।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अर्पण भारद्वाज ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा, ÷आज का युग डिजिटल दक्षता का है। शिक्षा, प्रशासन, शोध और सेवाओं में डिजिटल विधाओं के समावेश से नवाचार, पारदर्शिता और गति प्राप्त हो रही है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल कार्यकुशलता बढ़ाते हैं, बल्कि विश्वविद्यालय को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करते हैं।

कार्यक्रम की रूपरेखा अभियांत्रिकी विज्ञान संकाय के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार सिंह ने

प्रस्तुत की। उन्होंने कहा, ÷यह कार्यशाला भारत सरकार की विभिन्न डिजिटल पहल, जैसे 'ई-समर्थ', 'स्मार्ट गवर्नेंस' और 'डिजिटल विश्वविद्यालय' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को उन्नत कंप्यूटर अनुप्रयोगों की समझ देना और उन्हें डिजिटल नवाचारों के प्रति सजग बनाना है। कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा, ÷आज डिजिटल टूल्स किसी भी संस्था की रीढ़ बन गए हैं। इस कार्यशाला से कर्मचारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और विश्वविद्यालय का प्रशासनिक ढांचा अधिक सुदृढ़ व स्मार्ट बनेगा।

कंप्यूटर विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. कमल बुनकर ने कहा, ÷संस्थान सदैव से गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और प्रशिक्षण हेतु प्रतिबद्ध रहा है। यह कार्यशाला हमारे तकनीकी प्रशिक्षण प्रयासों का एक सशक्त उदाहरण है, जिसमें प्रतिभागियों को व्यावहारिक एवं प्रासंगिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. उमेश कुमार सिंह एवं संस्थान के डॉ. क्षमाशील मिश्र ने डिजिटल फाइल प्रबंधन, गूगल टूल्स, ऑफिस सॉफ्टवेयर एवं साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। सभी तकनीकी सत्रों का संचालन डॉ. प्रज्ञा सिंह एवं डॉ. ब्रह्मदत्त शुक्ल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. डी. डी. बेदिया ने सभी वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार प्रकट करते हुए कहा, इस कार्यशाला से विक्रम विश्वविद्यालय की डिजिटल क्षमताओं में निश्चित ही वृद्धि होगी, और हम नई शिक्षा नीति के डिजिटल दृष्टिकोण को मूर्त रूप देने की दिशा में अग्रसर होंगे।

देश भ्रमण पर निकले बाइकर्स का करेंगे स्वागत

उज्जैन। पुरुष आयोग व सड़क सुरक्षा जागरूकता के उद्देश्य से पूरे देश को जगाने हेतु चार वीर बाईक राइडर्स संदीप पवार, अमजद खान, प्रियश भार्गव व गौरव मल्होत्रा पूरे देश में बाइक से भ्रमण कर रैलियां निकाल रहे हैं। मंगलवार को ये बाइकर्स उज्जैन पहुंचे। उज्जैन पहुंचने पर बुधवार को प्रात- 10.30 बजे शहीद पार्क पर इन बाइकर्स का स्वागत किया जाएगा। बाइकर्स का स्वागत महाकाल की नगरी उज्जैन शहर में राजहंस गायकवाड़ पूर्व सह सचिव श्री क्षत्रिय मराठा समाज उज्जैन और समाज के साथी मनोहर राव भालेराव, विशाल महाडिक, अजय महाडिक, विजय पाटणकर, राजू निंबालकर, विश्वजीत भालेराव, विजय सालुंके आदि द्वारा किया जाएगा। जानकारी मीडिया प्रभारी जेआर माहुरकर एडवोकेट ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com